'बच्चा छोटा है, मैं कुछ नहीं कर सकती'...मां की इस सोच पर लेखक ने लगाई फटकार, बोले-फिर तो बच्चा कभी बड़ा नहीं होगा

Authored By: नंदिनी दुबे | नवभारतटाइम्स.कॉम • 19 May 2026, 4:36 pm IST

Subscribe YouTube 12M

अगर आपकी भी यही सोच है कि बच्चा बड़ा होने के बाद ही आप अपने करियर पर ध्यान देंगी, तो आचार्य प्रशांत की बात जरूर समझनी चाहिए। उनका मानना है कि यह सोच सही नहीं है। मांओं को समय का संतुलन बनाकर बच्चे की परवरिश के साथ अपनी जिंदगी और करियर पर भी ध्यान देना चाहिए।

'बच्चा छोटा है, मैं कुछ नहीं कर सकती'... मां की इस सोच पर लेखक ने सुनाई खरी-खोटी, बोले- फिर तो बच्चा कभी बड़ा नहीं होगा (Image- IStock)

कई बार मदर्स को यह सोचती हैं कि उनका बच्चा अभी छोटा है, जब बड़ा हो जाएगा तब वह कुछ करेंगी। हालांकि, इस सोच पर मशहूर लेखक आचार्य प्रशांत ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इस तरह की सोच रखने वाली मांओं के बच्चे कभी बड़े नहीं हो पाते, क्योंकि मम्मियां यह मान लेती हैं कि उनके बिना कुछ नहीं हो सकता। हालांकि, यह धारणा बेहद गलत है। बच्चे को जितना समय देना जरूरी है, उतना दीजिए और फिर खुद पर ध्यान दीजिए।

(सभी तस्वीरें-सांकेतिक हैं)

बच्चा अभी बहुत छोटा है, इसीलिए कुछ नहीं कर सकती

आज का AQI > नई दिल्ली

तापमान वायु गुणवत्ता

83 AQI
PM2.5 27 µg/m³
मॉडरेट

Powered By AQI

वीडियो >

H-1B Visa 2026: Indians पर असर डालने वाले 10 बड़े बदलाव और नए सख्त नियम

PM Modi Norway Journalist: हेले लिंग ने वायरल होने के लिए मोदी से पूछा...

Bangladesh Teesta Barrage: तीस्ता बैराज पर भारत को झटका, तारिक रहमान ने क...

Iran War: फोन पर भयंकर लड़ पड़े ट्रंप-नेतन्याहू, ईरान पर हमले को लेकर बहुत आगे तक बढ़ ग...

Cockroach Janta Party: कौन हैं कॉक्रोच जनता पार्टी के...

रेकमेंडेड खबरें >

जल्दी प्रेग्नेंट होने के लिए ले रही हैं ट्रीटमेंट? डॉ. बोलीं-दवा के साथ डाइट में शामिल करें 1 चीज, ब...

Quote of the Day for Kids by Jaya Kishori: माता-पिता बच्चों को जरूर करने दें ये 1 का...

खुद पेरेंट्स करते हैं ये 5 गलतियां, फिर बच्चों को कहते हैं बदतमीज, कुछ संस्कार ही नहीं सीखता

'डॉक्टर ने कहा सब ठीक है'... फिर भी प्रेग्नेंसी नहीं हो रही ? गलत समय पर कोशिश समेत ये...

जन्म के बाद बच्ची की हालत देख घबराए परिवार वाले, डॉ...

An error occurred
Please try again later

Petrol Diesel Price Hike: पेट्रोल-डीजल के दामों में फिर लगी आग, जानिए अब क्या है ताजा रेट ?

मशहूर लेखक आचार्य प्रशांत बताते हैं कि हाल ही में एक महिला ने कहा कि बच्चा अभी बहुत छोटा है, इसलिए मैं कुछ नहीं कर सकती। जब उन्होंने पूछा कि बच्चा कितना छोटा है, तो महिला ने बताया कि वह 14 साल का है, जब वह बड़ा हो जाएगा, तब वह कुछ करेंगी।

Image-Istock

ऐसे तो बच्चा कभी बड़ा नहीं होगा

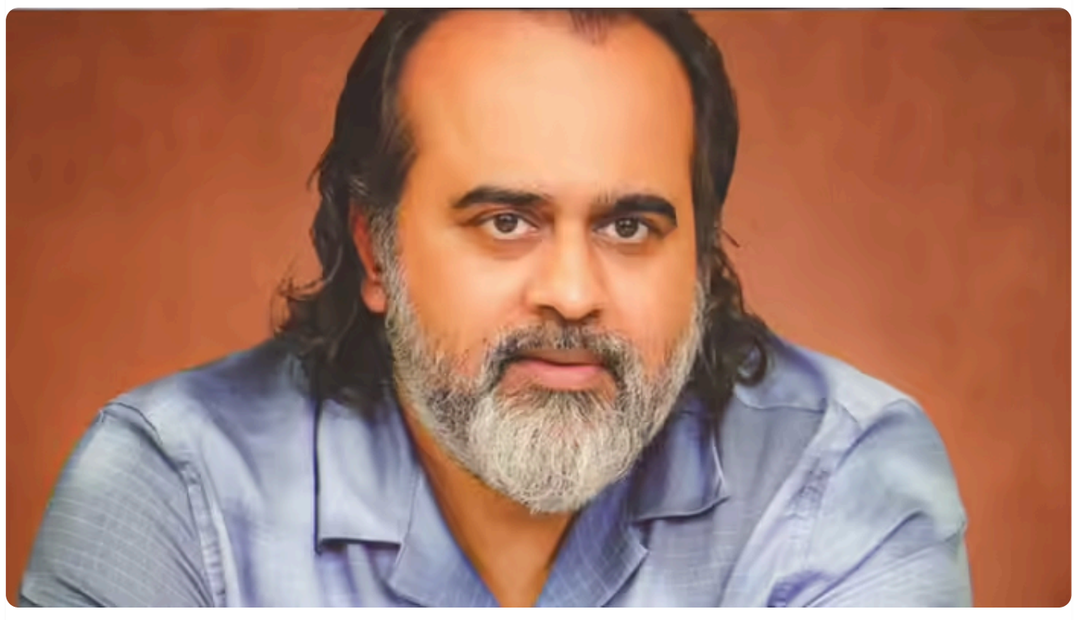

आचार्य प्रशांत कहते हैं कि यह सुनने के बाद उन्होंने उस महिला से कहा कि वह बच्चा कभी बड़ा नहीं होगा, क्योंकि वह पहले ही बड़ा हो चुका है। उनका कहना था कि जितना समय बच्चे को दिन में मां का देना जरूरी है, उतना समय तय कर दें और फिर अपने बाकी कामों पर ध्यान दें। मान लीजिए आपका दिन 21 घंटे का ही होना चाहिए।

Image- acharya prashant Facebook

Advertisement

इन लोगों के बारे में भी सोचिए

वे कहते हैं उन लोगों को सोचिए जिनके तीन घंटे किसी अलग जरूरत में लगते हैं, जैसे किसी को फिजियोथैरेपी करानी होती है या किसी को डायलिसिस करानी होती है। तो क्या वे जीना छोड़ देते हैं? नहीं, वे अपनी डेली रूटीन में से उतना समय अलग कर लेते हैं। उनका दिन 24 घंटे का ही होता है, जिसमें से मान लीजिए 6 घंटे डायलिसिस या फिजियोथैरेपी में चले जाते हैं, तो वे बाकी समय के अनुसार अपनी दिनचर्या को एडजस्ट करते हैं।Image-Istock

An error occurred

Please try again later

Petrol Diesel Price Hike: पेट्रोल-डीजल के दामों में फिर लगी आग, जानिए अब क्या है ताजा रेट ?

Advertisement

बच्चे मां के बारे में ऐसा नहीं सोचते

मां अक्सर यह सोचती हैं कि अगर वे नहीं रहेंगी तो उनके बच्चों का क्या होगा। लेकिन बच्चे इस बात को वैसे नहीं सोचते। कई बार बच्चा तक साफ कह भी देता है- 'मम्मी, थोड़ा समझदारी से सोचो।' इसलिए जरूरत से ज्यादा चिंता करके खुद को हर समय 'जरूरी' साबित करने की कोशिश करना सही नहीं है। Image-IStock

Advertisement

यहां देखिए पूरा वीडियो

An error occurred

Please try again later

Petrol Diesel Price Hike: पेट्रोल-डीजल के दामों में फिर लगी आग, जानिए अब क्या है ताजा रेट ?

acharya_prashant_ap
Original audio
View profile

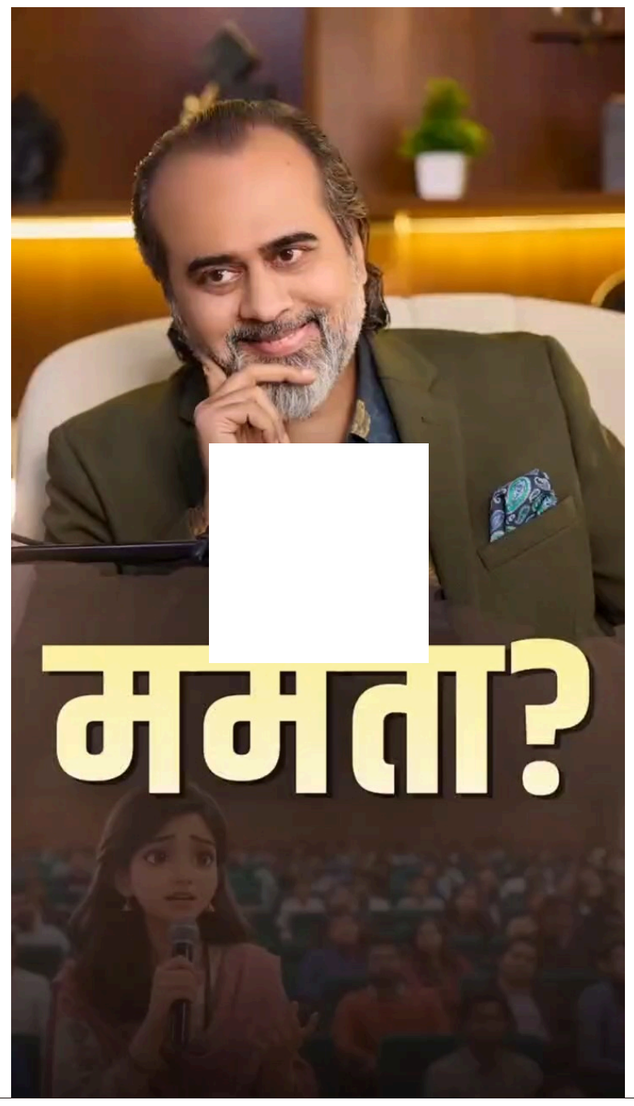

View more on Instagram

10,110 likes

Add a comment...

Advertisement

इस सोच से बाहर निकलें

आचार्य कहते हैं कि हमें फैक्ट्स और इमैजिनेशन के बीच अंतर करना सीखना चाहिए। ब्रह्मांड का इतिहास अरबों-खरबों वर्षों का है, और उसमें मदर्स की मौजूदगी कितने समय के लिए रही है। लेकिन दावा यह है कि 'अगर मैं नहीं रहूंगी तो क्या होगा' या 'सब कुछ मैंने ही संभाल रखा है।' इस सोच से बाहर निकलिए। Image-Istock

लेखक के बारे में
नंदिनी दुबे
नंदिनी दुबे नवभारतटाइम्स.कॉम में प्रेग्नेंसी और पेरेंटिंग राइटर और प्रिंसिपल डिजिटल कंटेंट प्रड्यूसर हैं। वह दो साल के बच्चे की मां भी हैं, इसलिए प्री-प्रेग्नेंसी से लेकर गर्भावस्था के नौ महीनों की जर्नी और शुरुआती पेरेंटिंग तक के अनुभवों को खुद जी चुकी हैं और जी भी रही हैं। इन अनुभवों ने नंदिनी को इस बात का गहरा ... और पढ़ें

कन्वर्सेशन शुरू करें | कमेंट पोस्ट करें

An error occurred
Please try again later

Petrol Diesel Price Hike: पेट्रोल-डीजल के दामों में फिर लगी आग, जानिए अब क्या है ताजा रेट ?